जीवन विद्या राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्थान- आश्रम आंवरी

दिनांक 22.9.99 से 24.9.99 तक

समय - सारणी

दिनांक	समय	सत्र	कार्यक्रम/प्रस्तुति
22.10.99 शुक्रवार	प्रातः 10.00 से 11.30	प्रथम	वंदना, संगीत, परिचय बाबा जी का उद्बोधन।
	11.30 से 1.00	द्वितीय	सम्मेलन का उद्देश्य - अभी तक की उपलब्धि, एक समन्वित कार्यक्रम की रूपरेखा।
	अपरान्ह 1.00 से 3.00		भोजन विश्राम।
	3.00 से 4.30	तृतीय	प्रस्तुति - (झाबुआ, इन्दौर, उज्जैन, भोपाल, विदिशा, शिवपुरी)
	4.30 से 5.00		चाय विश्राम।
	5.00 से 6.30	चतुर्थ	प्रस्तुति - (बिजनौर, दिल्ली, बुलन्द शहर, कानपुर, बांदा, बलिया)
	6.30 से 7.00		भ्रमण।
	रात्रि 7.00 से 8.00		भोजन।
	8.00 से 9.00		छोटे ग्रुपों में चर्चा।
23.10.99 शनिवार	प्रातः 8.30 से 9.00	प्रथम	वंदना, संगीत।
	9.00 से 11.00		प्रस्तुति - (रायपुर, भिलाई, कांकेर, आंवरी)
	11.00 से 11.30		चाय विश्राम।
	11.30 से 1.00	द्वितीय	प्रस्तुति - (बिलासपुर, अमरकंटक, सतना)
	अपरान्ह 1.00 से 3.00		भोजन विश्राम।
	3.00 से 4.30	तृतीय	परस्परता में भागीदारी की संभावना एवं निर्णायन
	4.30 से 5.00		चाय विश्राम।
	शाम 5.00 से 6.30	चतुर्थ	परस्परता में भागीदारी की संभावना एवं निर्णायन।
24.10.99 रविवार	प्रातः 9.00 से 11.00		सम्मेलन का निष्कर्ष की चर्चा एवं घोषणा 1. परस्पर में भागीदारी। 2. संयुक्त कार्यक्रम। बाबाजी का उद्बोधन एवं समापन।
			उत्सव (क्षेत्रीय व्यक्तियों एवं सम्मेलन में आये लोग)
	11.00 से 2.00		भोजन।
	अपरान्ह 2.00 से 2.20		संगीत।
	2.20 से 2.40		प्रबोधन बाबाजी।
	2.40 से 3.00		विद्या की सरल प्रस्तुति - श्रद्धेय राजन शर्मा जी।
	3.00 से 3.20		विद्या की सरल प्रस्तुति- आ. गणेश बागाड़ियाजी।
	3.20 से 4.20		देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्या के आधार पर चल रहे कार्यक्रमों की प्रस्तुति।
	4.20 से 4.30		संगीत।
	4.30 से 5.00		आश्रम आंवरी द्वारा संचालित गतिविधी एवं संभावना।
	5.00 से 5.45		क्षेत्रीय लोगों के उद्गार।
	5.45 से 6.00		आभार, समापन, बिदाई।

–: अभी तक हुए सम्मेलनों का आशय, निर्णय एवं उपलब्धि बिन्दु :–

प्रथम जीवन विद्या सम्मेलन –

बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन का आशय –

1. समझ की एकरुपता एवं परस्पर मैत्री स्थापित करना।
2. जीवन विद्या का लोक व्यापीकरण के लिए कार्य योजना एवं भागीदारी सुनिश्चित करना।

द्वितीय जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन –

उपर्युक्त आशय के क्रम में ही द्वितीय जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन नागौद में दिनांक 21 से 23 दिसम्बर 1996 को सम्पन्न हुआ।

इस सम्मेलन में मुख्य निर्णय लिये गये जो निम्नानुसार है।

समझ की एकरुपता के लिए वर्ष में दो बार अनुभव शिविरों का आयोजन एवं लोक व्यापीकरण के लिए राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन सुनिश्चित व इसके अंतर्गत लिए जाने वाले कार्यक्रम, संगठनात्मक स्वरुप, विधि, संबंधित व्यक्ति व उनके द्वारा ली जाने वाली जिम्मेदारियां एवं आवश्यक उपलब्ध संसाधनों का विवरण भी प्रस्तुत किया गया। विभिन्न समिति एवं उप समिति का गठन हुआ।

तृतीय जीवन विद्या संगोष्ठी –

उपर्युक्त आशय से ही नंदिनी नगर (भिलाई) में दिनांक 20.9.97 से 22.9.97 को जीवन विद्या संगोष्ठी का आयोजन हुआ। स्वयं में व्यवस्था और सम्पूर्ण व्यवस्था में अपनी भागीदारी स्वः स्फूर्त तरीके से होनी चाहिये। विद्या के प्रकाश में विभिन्न स्थानों पर निम्नलिखित कार्य अभी चल रहे हैं –

जीवन विद्या योजना – सभी केन्द्रों पर शिविरों का काम चालू हो गया है प्रबोधकों की कमी जरुर है।

शिक्षा का मानवीकरण – गोविंदपुर का काम हमारी उपलब्धि है। झाबुआ में सम्भावनाएं बनी हैं। काम कठिन है लेकिन आवश्यक है। slips की संभावना न हो यह हमारी जिम्मेदारी है। झाबुआ में pilot project के रुप में और Block level पर यह काम यदि कर पायें तो मध्य प्रदेश में आगामी तीन वर्षों में संभावनाएं हैं। यांदा में भी संभावनाएं बनी हैं। इन्दौर, उज्जैन और देवास में भी चार–पांच प्राइवेट स्कूल की मांग है।

ग्राम स्वराज्य योजना – इसके अंतर्गत कोई ऐसा ठोस काम हुआ हो ऐसा नहीं दिखता। मगर गोविंदपुर में संभावनाएं बनी हैं। 7 गांवों में काम शुरु हुआ है। रामपुर और दो गांवों में भी संभावनाएं हैं। बांदा में भी शुरुआत हुई है। ऐसा लगा कि बच्चों में भी काम करके इसे आगे बढाया जा सकता है। झाबुआ में वाटर शेड के अंतर्गत कुछ प्रयास किये गये हैं। परिणाम उत्साहवर्धक है। संभावनाएं प्रबल है। जहां–जहां कमियां है उन्हें पूरा करने में अपनी सहभागिता निभाने की हमारी जिम्मेदारी है। समझने का, जीने का और समझाने का तीनों काम साथ–साथ चलना चाहिये।

बाबाजी ने बताया कि कई व्यक्तियों के लिए अभी भी कई मुद्दों पर समाधान होना शेष है। परस्पर पूरकता विधि से ही संभव है। जीवन विद्या वैज्ञानिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को जल्दी समझने में आई है। बाकी लोगों को थोडी देर लगी। अभी जन सामान्य हेतु योग्य शैली की आवश्यकता है। शिक्षा के मानवीकरण योजना में भी उपलब्धि हुई है। लोक व्यापीकरण के लिए वर्ष भर शिविरों की श्रृंखला आयोजित की है।

चौथा जीवन विद्या राष्ट्रीय सम्मेलन –

25 से 27 दिसम्बर 1998 में मानव विकास एवं प्राकृतिक साधन प्रबंधन समिति इंदौर व जीवन विद्या समिति द्वारा मॉडल स्कूल ग्राम अगराल जिला झाबुआ में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य समझदारी की एकरुपता को सुनिश्चित करते हुए विद्या के लोक व्यापीकरण के संदर्भ में चर्चा करना एवं परस्परता को सुनिश्चित करना ही रहा।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुतियां रखी गयी। शिक्षा के मानवीकरण के लिए गोविंदपुर में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम तैयार हुआ। व्यक्तियों को आपस में जोड़ने एवं अभियान के दिशा में हुए विभिन्न प्रयासों अनुभवों व विचारों के आदान प्रदान के लिए परिवार मानव पत्रिका का प्रकाशन शुरु हुआ। बिजनौर में एक विद्यालय का शुभारंभ किया गया। गोविंदपुर में स्वास्थ्य संयम एवं मानवीय उत्पादन कार्य व्यवस्था की दिशा में कुछ शोध व प्रयोग के प्रयास प्रारंभ किये जा रहे हैं। एक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करने हेतु विचार विमर्श चल रहा है। सह अस्तित्ववादी कृषि के अनुसंधान के लिए भी आई. आई. टी. दिल्ली के साथ मिलकर कार्य प्रारंभ किया है। इस दिशा में और व्यापक कार्य करने की योजना है। विलासपुर जेल में कैदियों के साथ हुए प्रयास के फल स्वरुप अनेक कैदी स्वः स्फूर्त विधि से शिविर लेने लगे हैं। स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ प्रयास आरंभ किये हैं। कांकेर में जीवन विद्या के प्रकाश में एक शिक्षण संस्थान खोलने की तैयारी चल रही है। रायपुर में बायाजी के साहित्य के प्रकाशन का काम चल रहा है। भटगांव में मानवीय शिक्षा संस्थान शुरु करने का मानस बना है। आंवरी बस्तर में शिविरों की श्रृंखला बनने लगी है। आसपास के 10–12 गांवों में परिवार स्तर पर चर्चाए आरंभ किया गया है। बड़ोखर बांदा में कक्षा 6 से 8 तक आवासीय विद्यालय प्रारंभ किया गया है। जिसमें बच्चे व शिक्षक एक परिवार के रुप में रहते हुए सभी कार्य स्वयं सम्पन्न करते हैं। नौगांव छतरपुर में स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से प्रयास किया गया है। कानपुर में मानवीय प्रबंधन संस्थान का शुभारंभ हुआ, समझ, व्यवहार व कार्य सभी आयामों में पूर्णता के आधार पर इसको संचालित किया जा रहा है। इंदौर में हरिजन सेवा संघ इत्यादी से जुड़कर काम करने की योजना है। उज्जैन में परिवार में न्याय का प्रमाण दिखने लगा है। झाबुआ में हुए शिविरों के क्रम के द्वारा लगभग 500 लोग विद्या से परिचित हुए हैं।

इस सम्मेलन में दो महत्वपूर्ण विन्दुओं पर ज्यादा ध्यान दिया गया।

एक – समाधानित होने के लिए बच्चों के शिक्षा और प्रौढों के शिविर तथा दूसरा – स्वावलम्बन के लिए उत्पादन कार्य में भागीदारी।

अभियान को स्थिरता प्रदानकरने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति जागृत हो। उनकी समझ पूर्ण हो, इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। पत्रिका के नियमित प्रकाशन, वितरण, आर्थिक स्वायतता पर चर्चा हुई। अगला सम्मेलन 22 से 24 अक्टूबर 99 में रायपुर, आंवरी, कांकेर में हो ऐसा प्रस्ताव पारित हुआ।

अनुभव शिविर –

समझ के एकरुपता को सुनिश्चित करने की दृष्टि से अमरकंटक में 1 से 7 जून 1999 को अनुभव शिविर का आयोजन हुआ। जिसका आशय –

1. बाबाजी इस दर्शन को बिन्दुवार रखें।
2. (अ) हम सभी इस वस्तु को वैसा देख पा रहे हैं या नहीं देख पा रहे हैं।
   (ब) जैसा देख पा रहे हैं, वैसा जी पा रहे हैं या नहीं जी पा रहे हैं।
3. (अ) अगर वस्तु स्पष्ट न हो तो बाबा स्पष्ट करें।
   (ब) अगर वस्तु को अन्यथा देख रहे हों, तो चर्चा करें।

अनुभव शिविर में सभी शिविरार्थी अपनी स्वयं की स्थिति गति को मूल्यांकित करते हुए, अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन के लिए अस्वस्त हुए।

प्रतिवेदन आंवरी आश्रम

22 से 24 अक्टूबर 99 राष्ट्रीय संगोष्ठी

आदरणीय बाबाजी, विभिन्न स्थानों से आए हुए सम्माननीय अतिथिगण, प्यारे भाइयों, बहिनों

छत्तीसगढ़ अंचल के, इस सुप्रसिद्ध दण्डकारण्य में जिसे आजकल बस्तर के नाम से लोग जानते हैं, इस छोटे से गांव आंवरी के, इस पुनीत आश्रम में, आप सबका हार्दिक स्वागत है। इस छोटे से गांव में आकर आप सभी लोगों ने अपन स्नेहिल उपस्थिति से इस गांव का गौरव बढ़ाया है। यह एक गांव आंवरी, जो जंग के बीच रानी मां पर्वत की छाया में बसा हुआ है। आदमी, भारत का आदमी हजा. वर्षों से गांवों में ही बसता रहा है। गांव की शोभा जंगल, पहाड़ नदियों वनों. महकती रही है, पर आदमी से, सुन्दर आदमी से गांव की शोभा में जो चार चांद हैं, उसका कोई मुकाबला नहीं है। गांव सुन्दर हैं, शोभा सम्पन्न हैं, पर ऐसे ही सुन्दर आदमियों के गांव में आने की, गांव में बसने की जरूरत है, तभी गांव की शोभा सम्पू होगी। आप इतने सुन्दर लोग, जिनका हृदय सुन्दर है, जिनका मस्तिष्क शुभ को सोचते हुए सौंदर्य मण्डित हो गया है, आप जैसे लोगों के, हमारे इस गांव में आने से आश बंधती है कि गांव सुन्दर बनेगा मुझे पिछले वर्ष के झाबुआ सम्मेलन में, राष्ट्रीय संगोष्ठ में भाग लेने का अवसर मिला सारी चर्चा से मुझे एक चीज समझ में आई किय सारा कार्यक्रम और ~~सभी~~ यह सम्पूर्ण दर्शन बाबा जी का, आदमी को, और सारी प्रकृति को, तथा इन दोनों के अंतरसंबंध को सुन्दर बनाने का कार्यक्रम है। आदमी है, यह खुशी की बात है, पर आदमी सुन्दर हो जावे, यह सर्वाधिक खुशी की बात है। आदमी की सुन्दरता का मतलब, कपड़े से, गहने से नहीं है। आदमी की भावना, आदमी के विचार, आदमी के कर्म सुन्दर हो जावें, संगीतमय हो जावें ऐसा जीवन संगीत से भरा हुआ आदमी, ऐसा सुन्दर आदमी, जिसे हम सच्चे अर्थ में आदमी कह सकें, ऐसे आदमी को बनाने की जरूरत है। आदमी मिलता है, सुन्दर आदमी नहीं मिलता, आज दुनिया में सुख पूर्वक जीने के लिए सुन्दर आदमियों की जरूरत है। ये सुंदर आदमी रेडीमेड कपड़ों की तरह हर जगह नहीं मिलते! इसे बनाना है। आदमी बनाने का कारखाना लगाना है, आदमी बनाने के विधि विधान को सुनिश्चित करना है, उसी क्रम में आप सभी लोग यहां पर आए हैं। यह छोटा सा गांव है, आधुनिक सभ्यता से जरा दूर है। साधन सीमित हैं। इस छोटी सी जगह पर, एक बड़ी बात को सोचना, आदमी बनाने के कारखाना को खड़ा करने की सोचना, निश्चित रूप से एक हिम्मत की बात है। कारखाना कहीं भी हो, बड़े कारखाने में ... आ ही जुटते हैं। आप लोग

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

इस कारखाने के इंजीनियर हैं. डिजाइनर हैं, प्लानर है, कम्प्यूटर हैं। प्रतिभा और अनुभव से भरे हुए लोग हैं। आप सबके सहयोग, श्रम और तत्परता से यह बड़ा कार्य भी संभव हो सकता है। यह कारखाना जब बनेगा, तब बनेगा, पर एक राष्ट्रीय स्तर की गंभीर चर्चा तो इस पर हो ही सकती है। इसी लिये इस गांव के लोगों ने आप सबको सादर आमंत्रित किया और आप सभी लोग यहां पधारे। हमारी एक बहुत छोटी सी सीमा है, हम लोग थोड़े से लोग हैं। इसलिए वे छोटे-छोटे कार्यकलाप जो हम कर सकते हैं। उसपर गंभीर चर्चा होकर आप जैसे लोगों से मार्ग दर्शन लेना है। जैसे-

① जीवन विद्या को स्थिर रूप देने के क्रम में यहाँ जीवन विद्या का एक स्कूल हो. इसकी बड़ी जरूरत है, इस छत्तीसगढ अंचल में. इसके लिए इसी गांव के श्री- ने एक स्कूल बनाकर देना निश्चित किया है। आगामी सत्र तक संभवतः स्कूल हो पायेगा। यह तो निर्माण की बात हुई पर स्कूल को संचालित करने के लिये, सामान्य शिक्षक काम के नहीं रहेंगे। इसके लिये जीवन विद्यासम्पन्न शिक्षकों की जरूरत रहेगी। अभी आगामी ६ महीनों में जीवन विद्या सम्पन्न शिक्षक तैयार करने हैं। तभी उस स्कूल को हम लोग सही ढंग से चला पावेंगे। शिक्षक तैयार करने का क्रम प्रारंभ हो चुका है।

② स्कूल के साथ एक प्रशिक्षण केन्द्र यहां पर प्रारंभ किया जावे। गांवों में कम पढ़े हुये, बीच में पढ़ाई छोड़े हुए बच्चे बहुत मिलते हैं। उनको रोजगार की जरूरत है। उनको १ से ६ माह तक के विभिन्न प्रशिक्षण यहां दिया जाय. जैसे टेलिविजन बनाना, रेडियो, परवा, टेप, कूलर बनाना, बिजली की फिटिंग, पंप सुधारना, सायकिल एवं मोटर सायकिल सुधारना आदि छोटे-छोटे कार्य, जिनसे गांव के बेरोजगार बच्चे में अपनी रोटी कमाने का आत्मा विश्वास जागे। वे अपना कार्य करने में सक्षम हों। गांव की मेट्रिक या एक दो वर्ष कालेज में पढ़ी लड़कियां प्रशिक्षण प्राप्त करके आत्म विश्वास पा सकती हैं। शादी ब्याह में यह प्रशिक्षण एक सम्मान जनक दहेज के रूप में माना जावेगा कि उनकी बहू या बेटी रेडियो टेलिविजन बनाना जानती है। इस ३-४ माह के प्रशिक्षण से जहां उनको रोजगार प्राप्त करने की योग्यता मिलेगी उसी के साथ एक शानदार आदमी बनने के क्रम में प्रतिदिन नियमित यहां जीवन विद्या को पढ़ाने के लिए क्लास लगेगी। इस तरह इस आश्रम में प्रतिदिन जीवन विद्या को पढ़ाने के लिये कक्षाएं प्रारंभ हो जावेगी।

यह छत्तीसगढ़ अंचल, विशेषकर ये बस्तर के जंगल दूर तक फैले हुये हैं। यहां विभिन्न स्थानों में जीवन विद्या शिविर लगाने की अपार संभावनाएं हैं। अभी से शिविरों के लिये निमंत्रण आने शुरु हो गये हैं। नवम्बर माह के बाद इस क्षेत्र में शिविरों की जो श्रृंखला चलेगी वह गर्मियों तक लगातार चलती रहेगी। साथ ही इन क्षेत्रों में संचालित शिविरों में जो लोग उभरकर सामने आवेगें उन्हें यहां आश्रम में बुलाकर प्रतिमाह कम से कम एक शिविर आश्रम में चला करेगा। अभी भी वह क्रम लगभग चल रहा है। नए सत्र से उसमें तीव्रता आने की संभावनाये हैं। इस तरह केन्द्र याने इस आश्रम और क्षेत्रों में लगातार शिविर विद्या के चलते रहेंगें।

D अभी एक माह पूर्व आदरणीय बाबा जी के मध्यस्थ दर्शन के प्रकाश में मानव जीवन एवं जगत के विभिन्न पहलुओं में - जैसे कला, संगीत, साहित्य, धर्म, चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान, भौतिक विज्ञान, ज्योतिष, आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र की सही और मानव के लिए उपयोगी स्थिति क्या होगी इस पर इन क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बाबा जी पर सवालों के बौछार किए। बाबा जी ने इन विषयों पर सटीक उत्तर दिए। इन सभी विषयों पर बाबा जी के विचारों को विषयवार, प्रामाणिक दस्तावेज के रुप में आडियों एवं वीडियो में रिकार्ड कर लिया गया है। यह कुल शूटिंग 7 कैसेटों में लगभग 21 घंटो की है।

पिछले वर्ष जीवन विद्या पर बाबा जी ने जो कुछ कहा था, उसकी अभी भी आडियों, वीडियों शूटिंग उपलब्ध है जो वीडियों कैसेट 4 कैसेटों में और आडियों कैसेटस 12 कैसटों में अभी भी उपलब्ध हैं। इस प्रकार बाबा जीवन और जगत के विभिन्न पहलुओं पर जो कुछ बोलते हैं उसे मोटीमोटा हमने 33 घंटो के वीडियों एवं आडियों में रिकार्ड किया गया है। यह श्री बाबा जी के श्री मुख से निकला हुआ, विद्वानों की सभा में दिया गया एक प्रामाणिक दस्तावेज है जो आप सबके लिये तथा मानव जाति के लिए उपलब्ध है। जिस विषय पर या पूरा सेट आपको चाहिए तो आप नोट करा देंगें।

आपको वह पूरे कैसेट यहां से अपने लिये उपलब्ध हो सकते हैं। अभी आडियों वीडियों कैसेट्स से अधिक शानदार जो C. D सिस्टम आ गया है उसमें बाबा जी के सारे विचारों को रिकार्ड कराने की भविष्य में योजना है। यह विद्या का एक स्थाई एवं प्रामाणिक रिकार्ड हम लोगों के लिये उपलब्ध रहेगा।

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

गांव में बेरोजगारी के चलते सम्मान जनक रोजी रोटी की व्यवस्था नवजवानों के लिये आवश्यक है। इसके लिये हमने कृषि और डेयरी के विशेषज्ञों की एक मीटिंग का आयोजित की थी। उनका दावा है और उन्होंने प्रयोग करके देख लिया है कि एक परिवार के लिये 5 एकड़ जमीन और 5 गायें यदि उपलब्ध हैं तो वह परिवार स्वावलंबी होकर सम्मान से जी सकता है। आगामी कदम के रूप में इस केन्द्र को स्वावलंबी बनाने के क्रम में खेती और डेयरी को इस प्रयोग को करने की पूरी तैयारी है। अगले वर्ष तक संभवतः यह कार्य हो जावेगा। लगभग २० गायों की एक डेयरी, गोबर खाद से कृषि वस्तुओं का उत्पादन, गोबर से गोबर गैस आदि क्रम चल निकलेगा। साथ ही आदमी को समझदार बनाने के लिये प्रतिदिन आश्रम में जीवन विद्या की कक्षाएं लगा करेगी। इस मिले जुले स्वावलम्बन और समझदारी के क्रम से एक नई शुरुवात की आशा हम लोग लगाए हुए हैं।

इस क्षेत्र में फैले हुये 12 गांव सघन रूप से तथा 8-10 गाँवों में सामान्य रूप में इस तरह लगभग २०-२६ गांवों के विस्तार में प्रथम चरण में विद्या को फैलाने की स्थिति बनी है। इसके अतिरिक्त दूर दूर क्षेत्रों में, जहां अपने मित्र जन एवं परिचित हैं, वहां विद्या के शिविर एवं गोष्ठियाँ सम्पन्न हो सकने का क्रम बन गया है। इस तरह इस अंचल में, आंवरी आश्रम को केन्द्र बनाकर विद्या के विस्तार की एक कोशिश चल रही है। जनता का उत्साह वर्धक सहयोग इस कार्य के लिये प्राप्त हो रहा है। इस क्रम में विदेशों से लोगों का आना प्रारंभ हो गया है। लंदन से ७ लोगों का दल आया था, जर्मनी से डॉ. हेलेना आई थी, अभी 19 दिसम्बर से जूली हॉकिन्स इस आश्रम में आ रही हैं। 3 सप्ताह के लिए। इन लोगों को भारतीय विद्या एवं भारत की संस्कृति के प्रति जिज्ञासा है। वे यहां आश्रम में आकर सप्ताह भर निवास करते हैं। इस दरम्यान उनको हम लोग ज्योतिष आयुर्वेद योग आदि का संक्षिप्त ज्ञान देने के साथ साथ प्रति दिन जीवन विद्या भी पढ़ाते हैं। इन चीजों को पढ़ाने के लिये विशेषज्ञ लोग आकर अपनी सेवाएँ निःशुल्क प्रदान करते हैं। आशा है भविष्य में विदेशों से टीमें आती रहेगी। अभी तक इटली से डॉ बारबेनो, लंदन से डॉ दिवाकर की टीम दो बार जर्मनी से डॉ. हेलेना आदि ५ बार विदेशों से लोग आ चुके हैं, अभी 6वीं बार जूली हॉकिन्स जो कि लंदन में डाइरेक्टर हैं 3 सप्ताह के लिए दिसम्बर में आवेंगी। यह सिलसिला उत्साह पूर्वक चलता रहेगा, ऐसी उम्मीद है। इस तरह विद्या विस्तार का यह कारवां धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। इन गतिविधियों को आगे बढ़ाने में आप सभी लोगों के अनुभव एवं मार्गदर्शन की आवश्यकता है। जो स्थितियां बन रही हैं, उनका सटीक आकलन हो और सही निर्धारण हो जिससे विद्या का अमृत बांटे इसी आशा के साथ

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal

गायत्री प्रज्ञा पीठ आश्रम आंवरी (चारामा)

जिला - कांकेर (म. प्र.)

फोन : 07868-63350

क्रमांक ....03....

दिनांक 31.10.99.

राष्ट्रीय जीवन विद्या संगोष्ठी दिनांक 22 से 24 अक्टूबर 99

स्नेही, श्रद्धेय बाबाजी,

जीवन विद्या की समझ के लोक व्यापीकरण एवं उसे कार्य रूप में देने की दृष्टि से एक व्यवस्थित एवं विस्तृत योजना नागौद सम्मेलन में तैयार की गयी थी। इसके अन्तर्गत लिए जाने वाले कार्यक्रम, संगठनात्मक स्वरुप, विधि, सम्बंधित व्यक्ति व उनके द्वारा ली जाने वाली जिम्मेदारियों एवं आवश्यक/उपलब्ध संसाधन का विवरण भी प्रस्तुत किया गया था। कार्य योजना की उपलब्धि का मूल्यांकन एवं भविष्य के कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की दृष्टि से अगला सम्मेलन सितम्बर 97 में नंदिनी नगर में एवं 25 से 27 दिसम्बर 98 को झावुआ के नौगांव में सम्पन्न हुआ। इसमें हुई चर्चा का विवरण संलग्न है।

इसी क्रम में इस वर्ष 22 से 24 अक्टूबर 1999 को गायत्री प्रज्ञा पीठ आश्रम आंवरी (चारामा) जिला कांकेर म. प्र. में यह सम्मेलन निश्चित किया गया है। चर्चा के मूख्य विन्दु निम्नानुसार है :-

1. विद्या के आधार पर जहां कार्य हो रहे हैं, उन केन्द्रों के व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुति।
   - 1.1 उनकी कार्य योजना।
   - 1.2 अब तक की स्थिति-परिस्थिति एवं उपलब्धि।
   - 1.3 भविष्य का कार्यक्रम।
   - 1.4 दूसरों से अपेक्षित भागीदारी।
   - 1.5 वे जो भागीदारी कर सकते हैं, दूसरे केन्द्र के लिए व राष्ट्रीय अभियान में।
2. उपर्युक्त प्रस्तुति के आधार पर परस्परता में भागीदारी का निर्णयन।
3. राष्ट्रीय स्तर पर अभियान में लिए जाने वाले कार्यक्रमों एवं इनमें, इन केन्द्रों की भागीदारी का निश्चयन।

इस सम्मेलन में विस्तृत चर्चा की दृष्टि से विद्या के कार्य में सक्रीय रुप से जुडे व्यक्तियों को ही आमंत्रित किया जा रहा है।

सर्व शुभकामनाओं के साथ।

गायत्री प्रज्ञा पीठ
आश्रम आंवरी (चारामा)

नोट :- आंवरी आश्रम (चारामा) रायपुर म. प्र. से 110 कि.मी. राष्ट्रीय राज मार्ग 43 पर स्थित है। रायपुर पहुंचने के लिए दिल्ली, झांसी, भोपाल, नागपुर, बिलासपुर, कटनी, वाराणसी, इलाहाबाद, सतना से सीधी ट्रेने उपलब्ध है। नागपुर, बिलासपुर और अमरकंटक से बस द्वारा भी आया जा सकता है।

टीप :- रायपुर पहुंच कर निम्न पते में सम्पर्क करें।

-: पता :-

श्री अंजनी अग्रवाल

कार्यालय - गायत्री ट्रेडिंग कम्पनी

तेल घानी नाका स्टेशन रोड रायपुर, फोन-525356 (स्टेशन से 200 मीटर)

निवास - 269, समता कलोनी रायपुर, फोन-255176, 254502

रायपुर से आंवरी आने के लिए सायंकाल 21.10.99 एवं प्रातः 22.10.99 को अंजनी अग्रवाल द्वारा व्यवस्था की जायेगी। ऐसे आप चाहें तो रायपुर से जगदलपुर जाने वाली वस लेकर सीधे चारामा पहुंच सकते हैं। आश्रम आंवरी चारामा से पश्चिम में 5 कि. मी. दूरी पर स्थित है।

सम्पर्क :-

1.	नेवेन्द्र पी. सी. ओ. वस स्टैंड चारामा,	फोन-07868-63219
2.	गायत्री प्रज्ञा पीठ आश्रम आंवरी,	फोन-63350
3.	श्री एस. एस. दीवान चारामा,	फोन- 63293
4.	श्री जसवंत साहू चारामा,	फोन-63550

www.madhyasth-darshan.info - Information Portal